M. A. II Sem. Geography.

→ विश्व में जनसंख्या के वितरण और घनत्व को प्रभावित करनेवाले कारक –

विश्व जनसंख्या के वितरण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बड़ा असमान एवं अव्यवस्थित है। विश्व की लगभग 90% जनसंख्या पृथ्वी के केवल 10% भाग पर निवास करती है, जबकि केवल 10% जनसंख्या धरातल का 90% भाग घेरे हुए है।

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करनेवाले कारक

- **भौगोलिक कारक**
  - धरातल की बनावट
  - जलवायु
  - मृदा
  - वनस्पति
  - अक्षांशीय स्थिति
- **मानवीय कारक**
  - कृषि
  - औद्योगीकरण
  - परिवहन
  - राजनीतिक कारक
  - धार्मिक एवं ऐतिहासिक कारक
  - स्वास्थ्य सुविधाएं
- **आर्थिक कारक**
  - खनिजों की उपलब्धता
  - ऊर्जा के साधन
  - श्रम
  - सरकार की आर्थिक नीति

I भौगोलिक कारक

I- 1. धरातल की बनावट → जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने में धरातल की बनावट सबसे महत्वपूर्ण कारक है। उबड़-खाबड़ एवं ऊँचे पर्वतीय प्रदेशों में जनसंख्या कम आकर्षित होती है। यहाँ कृषि, मानव बसाव, उद्योग आदि स्थापित नहीं हो पाते। भारत के हिमालयी प्रदेश, उत्तरी अमेरिका के रॉकीज प्रदेश तथा एण्डीज के पर्वतीय प्रदेश इसके उदाहरण हैं। जबकि मैदानी समतल प्रदेश घने बसे हैं जैसे - गंगा का मैदान, नील का मैदान

2. जलवायु → जलवायु मानव बसाव को अत्यधिक नियंत्रित करता है। मानव अनुकूल जलवायु में कृषि, उद्योग, व्यापार, परिवहन आदि के विकसित होने के कारण आबादी अधिक होती है। मानव बसाव के लिए मध्य अक्षांशीय जलवायु सर्वाधिक उपयुक्त होती है परिणामस्वरूप विश्व की 60% आबादी यहाँ बसती है। जबकि ध्रुवीय क्षेत्र निर्जन एवं विषुवतीय प्रदेश कम मानव बसाव के क्षेत्र होते हैं। इसमें तापमान, आर्द्रता, वर्षा की मात्रा, महासागरों का प्रभाव इत्यादि शामिल हैं।

3. मृदा - भोजन मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताओं में से एक है। चूंकि सभी खाद्य फसलें, पेय फसलें, व्यवसायी फसलें मृदा पर ही उगाई जाती हैं, इसलिए मृदा जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है। गंगा-सतलज मैदान, मिसीसिपी का मैदान सिंधु का मैदान, नील नदी का मैदान अपने उपजाऊ जमीन के कारण ही अत्यधिक जनसंख्या का निवास स्थल है।

4. वनस्पति → घने वनस्पतियों के क्षेत्रों जैसे - भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में जनसंख्या कम पाई जाती है जबकि पतझड़ एवं शंकुधारी वन क्षेत्रों में आबादी अधिक पाई जाती है। महास्थलीय क्षेत्रों में भी जनसंख्या कम पाई जाती है।

5. अक्षांशीय स्थिति → विश्व की अधिकांश जनसंख्या 15°N - 45°N अक्षांशों के मध्य पाई जाती है जबकि 60-90°N-S आबादी 15% से भी कम पाई जाती है।

II मानवीय कारक

1. कृषि → विश्व में जहाँ भी कृषि हेतु दशाएँ अनुकूल हैं वहाँ जनघनत्व अधिक है। प्रेयरीज प्रदेश, स्टेपी प्रदेश, गंगा-यमुना का दोआब क्षेत्र इसके उदाहरण हैं। विश्व में जहाँ प्राचीन काल से ही खेती होती रही है वहाँ प्राचीन सभ्यताएँ भी विकसित हुई हैं; चीन में यांग्त्जी क्यांग मैदान, जापान का क्वांटम मैदान, आस्ट्रेलिया की मरे-डार्लिंग बेसिन इसी का उदाहरण है।

2. नगरीकरण → नगर सदैव रूप से जनसंख्या को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं, कारण - उच्च जीवन स्तर, रोजगार की उपलब्धता, परिवहन एवं व्यापार का विकसित होना, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन की सुविधाएं इत्यादि। न्यूयॉर्क, टोक्यो, लंदन, मास्को, बीजिंग, शंघाई, दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, मेक्सिको सिटी इत्यादि मानव जमघट के सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं।

3. औद्योगीकरण → औद्योगिक क्षेत्रों में जनसंख्या का बसाव अधिक होता है। USA का उत्तरी-पूर्वी भाग, जर्मनी का रूर प्रदेश, दिल्ली, मुम्बई, शंघाई, हुगली क्षेत्र इसके सर्वश्रेष्ठ उदाहरण हैं।

4. परिवहन → जिन क्षेत्रों में यातायात की अधिक सुविधाएँ हैं, वहाँ जनसंख्या का आकर्षण अधिक होता है। रेल, सड़क, हवाई मार्ग, अन्तर्देशीय जल मार्ग एवं अन्तर्देशीय जल मार्ग की उन्नत स्थिति जनसंख्या को आकर्षित करती है। सिंगापुर, शंघाई, केपटाउन, न्यूयॉर्क, लंदन, कोलम्बो आदि उपयुक्त परिवहन मार्गों पर होने के कारण ही इतने विकसित हुए हैं।

5. राजनीतिक, धार्मिक एवं ऐतिहासिक कारक → राजनीतिक स्थिरता एवं शासक का दृष्टिकोण, धार्मिक कारण एवं ऐतिहासिक घटनाओं का भी व्यापक असर जनसंख्या वितरण पर पड़ता है। इजरायल-फिलीस्तीन विवाद, जम्मू-काश्मीर, चेचन्या आदि इसके अच्छे उदाहरण हैं।

III आर्थिक कारक →

1. **खनिजों की उपलब्धता** - जिन प्रदेशों में खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है वहाँ जनघनत्व अधिक है। जैसे — USA का पेंसिलवानिया प्रदेश, यूरोप का रूर प्रदेश, भारत का छोटानागपुर प्रदेश इत्यादि।

2. **ऊर्जा की उपलब्धता** - मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। इसके बिना उद्योग-धन्धों, परिवहन, व्यापार यहाँ तक की कृषि का भी विकास नहीं हो सकता है। बिजली की उपलब्धता से जनसंख्या वितरण भी प्रभावित होता है।

3. **सस्ते एवं कुशल श्रमिक** - जिन क्षेत्रों में कुशल एवं सस्ते श्रमिक उपलब्ध होते हैं वहाँ औद्योगिक इकाइयों की भी स्थापना होती है। भारत एवं चीन जैसे देशों में सस्ते एवं कुशल श्रम के कारण ही विश्व के कई देशों की कंपनियाँ यहाँ स्थापित हो रही हैं।

4. **सरकार की आर्थिक नीति** →

जो सरकार उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्विकरण (LPG) की नीति अर्थात दुनिया की कंपनियों के लिए अपने दरवाजे खोल रखते हैं वहाँ उद्योग-धन्धों के साथ ही व्यापार, परिवहन, बैंकिंग आदि की स्थापना होती है फलस्वरूप वहाँ जनसंख्या का तेजी से बसाव होता है।

Om Prakash Singh. Dept. of Geography